

27



श्री

श्री ~~पादसु गोखरे~~ न्यायालय श्रीमान अध्यक्ष महोदय, राजस्व मण्डल म०प्र० ग्वालियर म०प्र०
अभिभाषण ३१२५ R-1033-J/13 प्र०००
प्रस्ताव

१८-२-१३
०५

११॥ बानोबाई विधवा शब्बीरशाह मुसल०

१२॥ मोहम्मद सिद्धिक पिता शब्बीरशाह मुसल०

१३॥ शमीम बानो पुत्री शब्बीरशाह मुसल०

सभी वारिसान मृतक शब्बीरशाह पिता चांदशाह

मुसलमान निवासी सिगोली

कलंक १०६
रजिस्टर्ड पोस्ट आज
दिनांक २१/२/१३ को प्राप्त

१४॥ जाफरहुसेन पिता चांदशाह मुसलमान

१५॥ हलीमा बेवा जमील मुसलमान

१६॥ आशिक पिता जमील मुसलमान

१७॥ मदिना पुत्री जमील मुसलमान निवासियान

सिगोली जिला नीमच ----- प्रार्थी गण

विरुद्ध

११॥ जुबेदाबानो पति मौ० रशीद मुसलमान

१२॥ नूरबानो बेवा कमरुद्दीन मुसलमान

१३॥ जाकिर हुसेन पिता कमरुद्दीन मुसलमान

१४॥ साजिद पिता कमरुद्दीन मुसलमान

१५॥ शाकिर हुसेन पिता कमरुद्दीन मुसलमान

१६॥ रजिया पिता कमरुद्दीन मुसलमान

१७॥ अमजद पिता सुबराती मुसलमान

१८॥ नासिर पिता सुबराती निवासीयान

सिगोली जिला नीमच म०प्र० ----- विपक्षी गण

पैज नं० १२१

द्वितीय निगरानी :- राजस्व अन्तर्गत धारा 50 मण्डल 0 रातो सहित
=====

महोदय,

सेवामें निगरानी कर्ता गण की ओर से निम्न प्रकार सादर

प्रस्तुत है -

१। यह कि निगरानी कर्ता गण क्रमांक 1 के प्रति एवं 2 व 3 के
द्वितीया शब्दीराह व अन्य निगरानी कर्ता गण एवं विपक्षी गण 2 से
8 के सयुक्त स्वामित्व एवं सयुक्त आधिपत्य की कृषि भूमिया सर्वे क्र०
1940/1, 1940/3, 1940/5, 1940/6, 1941/1, 1945/1, 1946/4
1941/2, 1945/2, 1946/2, 1944, 1946/3 कुल रकबा 1.900 हे०
होकर स्थल पर सयुक्त स्वामित्व एवं सयुक्त आधिपत्य में है जिसका
कोई बटवारा राजस्व कागजात या स्थल पर आज तक नहीं किया
गया है व बिना विधिवत बटवारा कराये एवं स्थल पर व राजस्व
नक्षे में सीमाओं का व सर्वे नम्बरान का बट्टे नम्बर हुए व नक्षा तरमीम
किये बिना किसी भी व्यक्ति को विशिष्ट सर्वे नम्बरोस की भूमिको
किसी भी प्रकार से अन्तरण करने का अधिकार नहीं है यह जानते हुए
विपक्षी क्रमांक 2 से 8 द्वारा दिनांक 20/3/08 को अस्पष्ट विक्रय
विलेख जिसमें बिना जज महोदय की अनुमति के शाजिद, शाकिर, रजिया
जो अवयस्क है के नाम की भूमि का भी साथ साथ बिना जिला जज
महोदय की अनुमति के विक्रय कर दिया गया व जो चतुर सीमा बताकर
भूमि का विक्रय करना उल्लेखित किया गया वैसी कोई पृथक भूमि स्थल
पर नहीं है फिर भी विधि विरुद्ध रूप से विक्रय पत्र निष्पादित कर
दिया गया जो प्रथम दृष्टया ही व प्रारम्भ से ही अवैध व व्यर्थ है और

निरन्तर ——— 3 पर

(2)

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

(2)

प्रकरण क्रमांक -

R 1033 / I 113

जिला - ग्वालियर

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
31.07.19	<p>आवेदक की ओर से यह निगरानी... के प्रकरण क्रमांक 05/10/11-12 में पारित आदेश दिनांक 30.10.12 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म.प्र. भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुए संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत यह प्रकरण सुनवाई हेतु आग्रह को भेजा जाता है। उभयपक्ष प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 14.10.18 को के समक्ष उपस्थित हों।</p> <p>(महेश चन्द्र चौधरी) सदस्य</p>	

de